UP Board Class 12 Economics Important Questions Chapter 5 बाज़ार संतुलन

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
शून्य अधिमांग एवं शून्य अधिपूर्ति की स्थिति स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
किसी कीमत पर जब बाजार मांग एवं पूर्ति बराबर हो तो वह शून्य अधिमांग एवं शून्य अधिपूर्ति की स्थिति होगी।

प्रश्न 2.
एक पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में बाजार माँग एवं पूर्ति जिस कीमत पर बराबर होते हैं, वह कीमत क्या कहलाती है?
उत्तर:
सन्तुलन कीमत।

प्रश्न 3.
जब बाजार पूर्ति बाजार मांग से अधिक होती है तो इस स्थिति को क्या कहा
जाता है?
उत्तर:
अधिपूर्ति।

प्रश्न 4.
जब बाजार माँग, बाजार पूर्ति से अधिक होती है, तो इस स्थिति को क्या कहा जाता है?
उत्तर:
अधिमांग।

प्रश्न 5.
पूर्ण प्रतिस्पर्धी श्रम बाजार में मजदूरी किसके बराबर होती है?
उत्तर:
श्रम के सीमान्त संप्राप्ति उत्पाद के।

प्रश्न 6.
जब बाजार में फर्मों की संख्या स्थिर रहे तो बाजार में मांग में वृद्धि होने पर सन्तुलन कीमत पर क्या प्रभाव पडेगा?
उत्तर:
सन्तुलन कीमत में वृद्धि होगी।

प्रश्न 7.
जब बाजार में फर्मों की संख्या स्थिर रहे तथा बाजार माँग में कमी हो जाए तो सन्तुलन कीमत पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
सन्तुलन कीमत में कमी होगी।

प्रश्न 8.
जब फर्मों की संख्या स्थिर रहे तथा बाजार में पूर्ति वक्र बायीं तरफ शिफ्ट हो जाए तो कीमत पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
कीमत में वृद्धि होगी।

प्रश्न 9.
बाजार मांग तथा बाजार पूर्ति वक्रों के बायीं तरफ शिफ्ट होने पर सन्तुलन मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
सन्तुलन मात्रा कम होगी।

प्रश्न 10.
जब बाजार मांग वक्र तथा बाजार पूर्ति वक्र दोनों दाहिनी दिशा में शिफ्ट होते हैं,
तो सन्तुलन मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
सन्तुलन मात्रा में वृद्धि होगी।

प्रश्न 11.
एक बाजार में फर्मों के निर्बाध प्रवेश तथा बहिर्गमन की स्थिति में कीमत पूर्ण प्रतिस्पर्धा में किसके बराबर होती है?
उत्तर:
न्यूनतम औसत लागत के।

प्रश्न 12.
बाजार में सन्तुलन की स्थिति में बाजार मांग एवं बाजार पूर्ति की क्या स्थिति होती है?
उत्तर:
सन्तुलन की स्थिति में बाजार मांग एवं बाजार पूर्ति दोनों एक-दूसरे के बराबर होते हैं।

प्रश्न 13.
एक बाजार माँग वक्र का ढाल कैसा होता
उत्तर:
बाजार माँग वक्र ऋणात्मक ढाल वाला वक्र होता है।

प्रश्न 14.
एक बाजार पूर्ति वक्र का ढाल कैसा होता
उत्तर:
एक बाजार पूर्ति वक्र धनात्मक ढाल वाला वक्र होता है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 15.
श्रम का सीमान्त संप्राप्ति उत्पाद ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।
उत्तर:
श्रम का सीमान्त संप्राप्ति उत्पाद - = सीमान्त संप्राप्ति x श्रम का सीमान्त उत्पाद

प्रश्न 16.
यदि बाजार माँग वक्र P = 200 - P है तथा संतुलन कीमत P = 20 है तो निर्बाध प्रवेश एवं बहिर्गमन की स्थिति में संतुलन मात्रा ज्ञात कीजिए।
उत्तर:
संतुलन मात्रा (P) = 200 - P = 200 - 20
= 180

प्रश्न 17.
राशनिंग का क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
एक व्यक्ति के लिए वस्तु के उपयोग की उच्चतम मात्रा का निर्धारण करना।

प्रश्न 18.
बाजार माँग क्या दर्शाती है?
उत्तर:
यह कि बाजार में दी हुई कीमतों पर उपभोक्ता कितनी मात्रा में वस्तुएँ खरीदने को तैयार है।

प्रश्न 19.
श्रम बाजार में श्रम की पूर्ति किसके द्वारा की जाती है?
उत्तर:
श्रम बाजार में श्रम की पूर्ति परिवारों द्वारा की जाती है।

प्रश्न 20.
श्रम बाजार में श्रम की माँग किसके द्वारा की जाती है?
उत्तर:
श्रम बाजार में श्रम की माँग उत्पादक फर्मों द्वारा की जाती है।

प्रश्न 21.
वस्तु बाजार में वस्तु की माँग किसके द्वारा की जाती है?
उत्तर:
वस्तु बाजार में वस्तु की माँग परिवारों द्वारा की जाती है।

प्रश्न 22.
श्रम बाजार में माँग वक्र की आकृति कैसी होती है?
उत्तर:
श्रम बाजार में मांग वक्र नीचे की ओर ढलान वाला वक्र होता है।

प्रश्न 23.
बाजार में पूर्ति में वृद्धि के कोई दो कारण बताइए।
उत्तर:

- तकनीक में सुधार
- उत्पादन साधनों की कीमतों में कमी।

प्रश्न 24.
बाजार में पूर्ति में कमी के कोई दो कारण बताइए। .
उत्तर:

- उत्पादन लागत में वृद्धि
- उत्पादक फर्मों की संख्या में कमी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
वस्तु बाजार से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
वस्तु बाजार वह क्षेत्र है जिसमें विभिन्न क्रेता एवं विक्रेता आपस में सम्पर्क कर वस्तुओं का क्रय-विक्रय करते हैं।

प्रश्न 2.
एक वस्तु बाजार में वस्तु के माँग वक्र एवं पूर्ति वक्र में क्या अन्तर होता है?
उत्तर:
एक वस्तु बाजार में वस्तु की माँग वक्र नीचे गिरता हुआ अर्थात् ऋणात्मक ढाल वाला वक्र होता है जबकि पूर्ति वक्र ऊपर उठता हुआ अर्थात् धनात्मक ढाल वाला वक्र होता है।

प्रश्न 3.
फर्म एवं उद्योग में अन्तर बताइए।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

फर्म एक या अधिक उत्पादन इकाइयों को कहते हैं जो कि एक ही स्वामित्व के अन्तर्गत हो, जबकि उद्योग बहुत सी ऐसी फर्मों को कहा जाता है जो एक सी वस्तुओं का उत्पादन कर रही हो।

प्रश्न 4.
एक उद्योग के साम्य का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
एक दी हुई कीमत पर उद्योग साम्य की स्थिति में तब होगा जबकि उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु की कुल पूर्ति उसकी कुल माँग के बराबर होती है।

प्रश्न 5.
शून्य अधिमाँग - शून्य अधिपूर्ति की स्थिति कौनसी होती है?
उत्तर:
यदि बाजार में किसी कीमत पर बाजार माँग तथा बाजार पूर्ति बराबर होते हैं तो इसे शून्य अधिमांगशून्य अधिपूर्ति की स्थिति कहा जाता है।

प्रश्न 6.
पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में सन्तुलन मात्रा का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है?
उत्तर:
पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में जहाँ बाजार माँग वक्र बाजार पूर्ति वक्र एक-दूसरे को काटते हैं, वहाँ सन्तुलन मात्रा निर्धारित होती है।

प्रश्न 7.
यदि बाजार माँग वक्र $q^D = 200 - p$ तथा बाजार पूर्ति वक्र $q^S = 140 + p$ है,
तो सन्तुलन कीमत ज्ञात कीजिए।
उत्तर:
सन्तुलन कीमत = $q^D = q^S$

$200 - p = 140 + P$

$2p = 60$

$p = 30$ रुपये

प्रश्न 8.
यदि बाजार पूर्ति वक्र $q^S = 140 + p$ है तथा सन्तुलन कीमत $p = 30$ रुपये है, तो सन्तुलन मात्रा ज्ञात कीजिए।
उत्तर:
$q^S = 140 + P$

$p = 30$

सन्तुलन मात्रा = $140 + p$

$= 140 + 30$

$= 170$

प्रश्न 9.
पूर्ण प्रतिस्पर्धी श्रम बाजार में मजदूरी कहाँ निर्धारित होती है?
उत्तर:

पूर्ण प्रतिस्पर्धी श्रम बाजार में मजदूरी वहाँ निर्धारित होगी, जहाँ श्रम का पूर्ति वक्र तथा श्रम का माँग वक्र एक-दूसरे को काटते हैं।

प्रश्न 10.
यदि बाजार पूर्ति वक्र तथा माँग वक्र दोनों बायीं तरफ शिफ्ट हो जाएं तो सन्तुलन मात्रा तथा कीमत पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
यदि बाजार पूर्ति वक्र तथा माँग वक्र बायीं तरफ शिफ्ट हो तो सन्तुलन मात्रा कम होगी तथा कीमत में वृद्धि, कमी अथवा वह अपरिवर्तित रह सकती है।

प्रश्न 11.
यदि बाजार माँग वक्र दायीं तरफ तथा पूर्ति वक्र बायीं तरफ शिफ्ट हो जाए तो
सन्तुलन मात्रा तथा कीमत पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
यदि बाजार माँग वक्र दायीं तरफ तथा पूर्ति वक्र बायीं तरफ शिफ्ट हो तो सन्तुलन कीमत में वृद्धि होगी तथा मात्रा में वृद्धि, कमी अथवा अपरिवर्तित हो सकती है।

प्रश्न 12.
यदि बाजार माँग एवं पूर्ति वक्र दोनों दायीं तरफ शिफ्ट हों तो सन्तुलन मात्रा तथा कीमत पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
यदि बाजार मांग एवं पूर्ति वक्र दोनों दायीं तरफ शिफ्ट हों तो सन्तुलन मात्रा में वृद्धि होगी तथा कीमत में वृद्धि, कमी अथवा अपरिवर्तित हो सकती है।

प्रश्न 13.
यदि बाजार माँग वक्र बायीं तरफ तथा पूर्ति वक्र दायीं तरफ शिफ्ट हो तो सन्तुलन माँग तथा पूर्ति पर क्या प्रभाव पड़ेगा? .
उत्तर:
यदि बाजार माँग वक्र बायीं तरफ तथा पूर्ति वक्र दायीं तरफ शिफ्ट हो तो सन्तुलन कीमत में कमी होगी तथा मात्रा में वृद्धि, कमी अथवा अपरिवर्तित रहेगी।

प्रश्न 14.
यदि बाजार मांग वक्र स्थिर रहे तथा बाजार पूर्ति वक्र दाहिनी तरफ शिफ्ट हो जाए तो सन्तुलन मात्रा एवं कीमत पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
बाजार पूर्ति वक्र के दाहिनी तरफ शिफ्ट होने पर सन्तुलन कीमत में कमी होती है तथा सन्तुलन मात्रा में वृद्धि होगी।

प्रश्न 15.
यदि बाजार माँग वक्र स्थिर रहे तथा बाजार पूर्ति वक्र बायीं तरफ शिफ्ट हो जाए
तो सन्तुलन कीमत तथा मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर:
यदि बाजार पूर्ति वक्र बायीं तरफ शिफ्ट हो जाए तो सन्तुलन कीमत में वृद्धि होगी तथा सन्तुलन मात्रा में कमी आएगी।

प्रश्न 16.
स्थिर फर्मों की संख्या की स्थिति में यदि बाजार माँग वक्र दाहिनी तरफ शिफ्ट होता है तो सन्तुलन कीमत तथा मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर:
स्थिर फर्मों की संख्या की स्थिति में बाजार माँग वक्र के दाहिनी तरफ शिफ्ट होने पर सन्तुलन कीमत तथा सन्तुलन मात्रा में वृद्धि होगी।

प्रश्न 17.
स्थिर फर्मों की संख्या की स्थिति में यदि बाजार माँग वक्र बायीं तरफ शिफ्ट हो जाए तो सन्तुलन कीमत तथा मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
स्थिर फर्मों की संख्या की स्थिति में मांग वक्र के बायीं तरफ शिफ्ट होने पर सन्तुलन कीमत तथा मात्रा दोनों में कमी होती है।

प्रश्न 18.
फर्मों के निर्बाध प्रवेश तथा बहिर्गमन की स्थिति में पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में कीमत तथा न्यूनतम औसत लागत में क्या सम्बन्ध है?
उत्तर:
पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में निर्वाध प्रवेश तथा बहिर्गमन की स्थिति में कीमत, न्यूनतम औसत लागत के बराबर होती है।

प्रश्न 19.
निर्बाध प्रवेश एवं बहिर्गमन की स्थिति में यदि सन्तुलन मात्रा (q^0) = 360 हो तथा प्रत्येक फर्म की पूर्ति (q^{or}) = 60 हो, तो बाजार में फर्मों की सन्तुलन संख्या ज्ञात कीजिए।
उत्तर:
फर्मों की संतुलन संख्या = =q0qof =q0qof
360 = 6

प्रश्न 20.
यदि बाजार में फर्मों को निर्बाध प्रवेश एवं बहिर्गमन की अनुमति हो, तो माँग में
वृद्धि होने पर सन्तुलन मात्रा एवं कीमत पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
फर्मों के निर्बाध प्रवेश तथा बहिर्गमन की स्थिति में माँग में वृद्धि होने पर सन्तुलन मात्रा में वृद्धि होगी तथा सन्तुलन कीमत अपरिवर्तित रहेगी।

प्रश्न 21.
यदि बाजार में फर्मों को निर्बाध प्रवेश तथा बहिर्गमन की अनुमति हो, तो माँग में कमी होने पर सन्तुलन कीमत एवं मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर:
फर्मों के निर्बाध प्रवेश एवं बहिर्गमन की स्थिति में मांग में कमी होने पर सन्तुलन कीमत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जबकि सन्तुलन मात्रा में कमी आएगी।

https://www.evidyarthi.in/